प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट में 'स्टार्टअप एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम 2019' की पूरी तैयारी

सफल एक्सप्लोरेशन प्रोग्राम के बाद कैटलिस्ट 1.5 लाख रु. की सीड फंडिंग समेत एक वर्ष इनक्युबेशन की मदद देगा

मंडी, 31 जनवरी, 2019 : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी स्थित हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिज़नेस इनक्युबेटर आईआईटी मंडी कैटलिस्ट 7 फरवरी, 2019 से वर्ष 2019 का पहला स्टार्ट अप बैच शुरू करने जा रहा है। यह प्रोग्राम स्टार्टअप के आइडियाज़ को लाभदायक व्यवसाय में बदलने में उनकी मदद करेगा।

इनक्युबेशन प्रोग्राम का पहला चरण तीन महीनों का होगा। इसमें स्टार्टअप को 1.5 लाख रु. तक का सीड फंड मिल सकता है। साथ ही, मार्गर्शन, नेटवर्किंग और प्रशिशण की सुविधा होगी।

विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि ऑगमेंटेड रियलीटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईओटी, वेस्ट मैनेजमेंट, एग्रोटेक, रिन्युएबल एनर्जी और ऑनलाइन सेवा क्षेत्र से कुल 12 स्टार्टअप प्रोग्राम के लिए चुने गए हैं। इन 12 टीमों में 5 हिमाचल प्रदेश की हैं। ये टीमें अपने कार्य को स्थांतारित करेंगी और मंडी टाउन में मांडव कॉम्प्लेक्स में मौजूद कैटलिस्ट के को–वर्किंग स्पेस से काम करेंगी जहां उन्हें अगले तीन महीनों के लिए हॉस्टल की सुविधा और कार्यालय के लिए जगह दी जाएगी।

इस वर्ष प्रोग्राम में भागीदारी पर डॉ. पूरन सिंह, शिक्षा–प्रभारी, आईआईटी मंडी कैटलिस्ट ने कहा, ''यह स्टार्टअप्स के तीन बैचों में पहला बैच है जिनका वर्ष 2019 के दौरान हम संचालन करेंगे। पहले के दो बैचों की तुलना में इसमें चुनी गई टीमों की संख्या 100 प्रतिशत बढ़ी है।''

यह प्रोग्राम पूरा होने के बाद कैटलिस्ट 1.5 लाख रु. की सीड फंडिंग समेत एक वर्ष इनक्युबेशन प्रोग्राम का लाभ देगा। स्टार्टअप्स से अपेक्षा है कि वे इस राशि का उपयोग कर प्रोडक्ट बेहतर बनाएंगे। इससे पहले जुलाई 2018 में हुए इनक्युबेशन प्रोग्राम की 6 में 1 टीम 'अर्नेटा टेक्नोलॉजीज़' ने एक वर्ष इनक्युबेशन प्रोग्राम में अपनी जगह बना ली और कैटलस्टि से 1.5 लाख रु. की सीड फंडिंग भी हासिल की।

गौरतलब है कि हिमाचल प्रदेश उद्यम विकास केंद्र भी कैटलिस्ट के सहायक कार्यक्रमों में शामिल किए गए स्टार्टअप्स को आर्थिक सहायता देती है। स्टार्टअप्स को प्रति माह 25,000रु. जीवनयापन भत्ता और प्रोडक्ट की मार्केटिंग और व्यावसायीकरण के लिए 10 लाख रु. देने का प्रावधान किया गया है।

###

आईआईटी मंडी कैटलिस्ट का परिचय

2016 में आरंभ किया गया आईआईटी मंडी कैटलिस्ट हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिज़नेस इनक्युबेटर (TBI) है। भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के समर्थन से कार्यरत कैटलिस्ट का मकसद तकनीक–आधारित ऐसे स्टार्टअप की मदद करना है जो मुख्यतः आर्थिक और / या सामाजिक

बदलावों के लिए काम करने के इच्छुक हैं। 'कैटलिस्ट', जैसा कि नाम से स्पष्ट है ऐसे उद्यमियों को बढ़ावा देता और सही रास्ता दिखाता है जो सामाजिक और/ या व्यावसायिक लक्ष्यों से काम करना चाहते हैं।

आईआईटी मंडी का परिचय (http://www.iitmandi.ac.in/)

हिमालय की शिवालिक पर्वतमाला में अवस्थित आईआईटी मंडी सब के विकास और सामाजिक स्थायित्व की ओर अग्रसर भारत का विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शिक्षा, ज्ञान सृजन एवं इनोवेशन के क्षेत्र में तेजी से उभरता एक बड़ा संस्थान है। जुलाई 2009 में विद्यार्थियों के पहले बैच से आरंभ कर आज आईआईटी के लिए 1,276 से अधिक विद्यार्थी, 104 फैकल्टी, 150 स्टाफ और रिसर्च प्रोजेक्ट के लिए 70 करोड़ रु. से अधिक की फंडिंग बड़ी उपलब्धि है। संस्थान के विद्यार्थियों में 274 पीएच.डी., 46 एम.एस. और 17 आई–पीएच.डी. के रिसर्च स्कॉलर हैं। संस्थान के पूर्व विद्यार्थियों की संख्या बढ़ कर 850 हो गई है जो उद्योग एवं शिक्षा जगत के साथ–साथ प्रशासन में नेतृत्व की भूमिका निभाते हुए संस्थान का नाम रोशन करेंगे।

संस्थान में 2018 में कुल 1280 विद्यार्थी थे और सन् 2029 तक इसे बढ़ा कर बी.टेक./ एम.टेक./एम. एससी. एवं एम.एस/पीएच.डी. के 5000 विद्यार्थी करने का लक्ष्य है। वर्तमान में कैम्पस में लगभग 80,000 वर्गमीटर पर कंस्ट्रक्शन का काम हो गया है और इसके अतिरिक्त 1,50,000 वर्गमीटर पर काम चल रहा है। आईआईटी मंडी एक पूर्ण आवासीय संस्थान है जिसके सभी विद्यार्थियों और 95 प्रतिशत शिक्षकों का कैम्पस के अंदर निवास है।

सन् 2010 से अब तक आईआईटी मंडी के शिक्षक 85 करोड़ रु. से अधिक के लगभग 180 प्रोजेक्ट हासिल कर चुके हैं। स्थापना के केवल 9 सालों में संस्थान के कामंद स्थित कैम्पस में कई लैब और शोध केंद्र स्थापित किए गए हैं जिससे शोध का अभूतपूर्व परिवेश बन गया है। लगभग 50 करोड़ के निवेश से स्थापित एडवांस्ड मटीरियल्स रिसर्च सेंटर (एएमआरसी) में मटीरियल्स के गुणों के वर्गीकरण (कैरेक्टराइजेशन) के लिए आवश्यक आधुनिक उपकरण हैं जिनका लाभ दवा आपूर्ति, विद्युत, इलैक्ट्रॉनिक्स एवं जीव वैज्ञानिक उपयोगों में होगा। सन् 2013 में गठन के समय से अब तक एएमआरसी ने 200 से अधिक शोध पत्रों के प्रकाशन में योगदान दिया है।

संस्थान में आपस में जुड़े विषयों के अध्ययन–अध्यापन का परिवेश है जो डिज़ाइन–ओरियंटेड है। बी. टेक. के पाठ्यक्रम में पहले साल से चौथे साल तक रीयल–वर्ल्ड टीम प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित किया जाता है। समाज की जरूरतों के मद्देनजर टीम भावना से काम करने पर जोर दिया जाता है। आईआईटी मंडी के पाठ्यक्रम का एक अभिन्न अंग मानवीकी है जो इसे समाज के अधिक करीब रखता है। जर्मनी में टीयू 9 के साथ मई 2011 से आईआईटी मंडी के कई सहमति करार पर कार्य जारी हैं।

आईआईटी मंडी की स्थापना 2016 में हुई। संस्थान का अपना तकनीक–व्यवसाय इनक्युबेटर कैटलिस्ट है जो हिमाचल प्रदेश का पहला टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्युबेटर (टीबीआई) है। इसका मकसद आर्थिक और/ या समाजिक लाभ पर केंद्रित टेक्नोलॉजी–आधारित स्टार्ट–अप को इनक्युबेट करना है। आईआईटी मंडी का एक अन्य इनोवेटिव प्रोग्राम ईडब्ल्यूओके (इनैबलिंग वीमेन ऑफ कामंद वैली) इंटरनेट और सर्वव्यापी मोबाइल नेटवर्क का लाभ लेकर गांव की महिलाओं के कौशल प्रशिक्षण और ग्रामीण व्यवसाय पर ध्यान केंद्रित करता है और इसका लक्ष्य स्थानीय एवं वैश्विक ग्राहकों को सेवा प्रदान करना है।

Media contact for IIT Mandi:

IIT Mandi Media Cell - mediacell@iitmandi.ac.in
Samriddhi Bhal - Footprint Global Communications
Cell: 7905887524 / Email: samriddhi.bhal@footprintglobal.com
Rahat Ali - Footprint Global Communications
Cell: +917814313852 / Email: rahat.ali@footprintglobal.com
Palak Sakhuja - Footprint Global Communications
Cell: 9582338333 / Email: palak.sakhuja@footprintglobal.com
Sairam Radhakrishnan - Footprint Global Communications
Cell: 9840108083/ Email: sairam.radhakrishnan@footprintglobal.com
Bhavani Giddu - Footprint Global Communications
Cell: 9999500262 / Email: bhavani.giddu@footprintglobal.com